**शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर ( महाराष्ट्र )**

तृतीय वर्ष (कला) ( बी. ए. भाग – 3 हिंदी )

जून 2009 से लागू

हिंदी स्पेशल ( प्रश्नपत्र क्र. 4 )

## विधा विशेष का अध्ययन

- **<u>उद्देश्य</u> –**

(1) उपन्यास और नाटक के तात्त्विक स्वरुप का परिचय देना ।

(2) उपन्यासकार एवं नाटककार के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व से परिचित करना ।

(3) रचना विशेष का महत्व समझने एवं मुल्यांकन करने की क्षमता बढाना।

(4) रचना के आस्वादन एवं समीक्षन की क्षमता विकसित करना।

(5) पाठयक्रम में निर्धारित उपन्यास एवं व्यंग्य नाटक की प्रासंगिकता से अवगत कराना।

- **<u>अध्ययनार्थ विषय</u> –**

1) उपन्यासकार कमलेश्वर : व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व का सामान्य परिचय ।

2) व्यंग्य नाटककार शरद जोशी : व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व का सामान्य परिचय ।

3) उपन्यासकार कमलेश्वर ।

4) व्यंग्य नाटककार शरद जोशी ।

**पाठ्यपुस्तकें –**

(1) अनबीता व्यतीत (उपन्यास) –कमलेश्वर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

(2) दो व्यंग्य नाटक– शरद जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

[ एक था गधा उर्फ अलादाद खाँ एवं अंधो का हाथी ]

**प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन** अंक

प्रश्न 1. (अ) पूरे पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी दस प्रश्न (10)

(आ) पूरे पाठ्यक्रम पर एक वाक्य में उत्तरवाले दस प्रश्न (10)

प्रश्न 2. ' अनबीता व्यतीत ' पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो) (16)

प्रश्न 3. ' दो व्यंग्य नाटक ' नाटक पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो) (16)

प्रश्न 4. टिप्पणियाँ (छः में से चार ) (16)

(1) ' अनबीता व्यतीत ' उपन्यास पर दो टिप्पणियाँ ।

(2) ' दो व्यंग्य नाटक ' पर दो टिप्पणियाँ ।

(3) कमलेश्वर पर एक टिप्पणी ।

(4) शरद जोशी पर एक टिप्पणी ।

प्रश्न 5. ' अनबीता व्यतीत ' उपन्यास पर निबंधात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (16)

प्रश्न 6. ' दो व्यंग्य नाटक ' पर निबंधात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (16)

**संदर्भ ग्रंथ सूची –**

1. शरद जोश : एक यात्रा – सं.डॉ. शशि मिश्र, किताब घर नई दिल्ली.
2. शरद जोशी के व्यंग नाटक – अनुपमा भोरे, अन्नपुर्णा प्रकशन, कानपुर–14.
3. हिंदी व्यंग विधा शास्त्र और इतिहास– डॉ. बापूराव देसाई चिंतन प्रकाशन, दिल्ली–2
4. व्यंग विवेचन – डॉ. श्यामसुदंर धोष, पराग प्रकाशन दिल्ली.–110032.

## हिंदी स्पेशल ( प्रश्नपत्र क्र. 5 )

## साहित्य सिद्धांत और समालोचना

- **<u>उद्देश्य</u> –**

(1) भारतीय तथा पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतों तथा हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त कराना।

(2) साहित्य की मर्मग्राहिणी क्षमता का विकास करना।

(3) काव्य के विभिन्न अंगों का सामान्य परिचय कराना।

(4) साहित्य–समीक्षा की दृष्टि विकसित कराना।

- **<u>अध्ययनार्थ विषय</u> –**

**(क) काव्य/ साहित्य – परिभाषा, तत्त्व, प्रेरणा, प्रयोजन।**

**(ख) शब्दशक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना का सामान्य परिचय।**

**(ग) काव्य भेद –**

(1) महाकाव्य–भारतीय और पश्चिम तत्व ।

(2) खण्डकाव्य – परिभाषा एवं तत्व ।

(3) प्रगीत एवं उसके भेद ।

(4) गजल : परिभाषा, गजल के अंग ।

**(घ)**

(1) नाटक : तत्व ( पाश्चात्य)।

(2) उपन्यास – परिभाषा,तत्व, प्रकार ।

(3) निबंध – परिभाषा,तत्व, प्रकार ।

**(ङ) आलोचना :–**

(1) परिभाषा,स्वरुप ।

(2) आलोचना के प्रकार ( ऐतिहासिक, तुलनात्मक, व्याख्यात्मक,निर्णयात्मक )।

(3) आलोचक के गुण ।

**(च) रस :– परिभाषा,रस के अंग, रस के भेदों का सामान्य परिचय ।**

**(छ) रेखाचित्र, जीवनी, संस्मरण, यात्रा–साहित्य,आत्मकथा,साक्षात्कार और रिपोर्ताज का सामान्य परिचय ।**

**(ज) (अ) अलंकार –**

शब्दालंकार – अनुप्रास, श्लेष यमक ।

अर्थालंकार – उपमा, रुपक,उत्प्रेक्षा,अतिशयोक्ति ।

( लक्षण और उदाहरण अपेक्षित है । उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नही है ।)

**(आ) छंद –**

मात्रिक छंदः दोहा, चौपाई, और सोरठा ।

( लक्षण और उदाहरण अपेक्षित है । उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नही है ।)

वर्णिक छंद : वसंततिलका,मंदाकिनी, शिखरिणी।

( लक्षण और उदाहरण अपेक्षित है । उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नही है ।)

**सहायक पुस्तकें –**

(1) काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी–1.

(2) काव्यशास्त्र – शंभुनाथ पाण्डेय

(3) साहित्यशास्त्र – डॉ. नारायण शर्मा, छाया पब्लिशिंग हाऊस, औरंगाबाद.

(4) साहित्यशास्त्र परिचय – डॉ. सुधाकर कलवडे, आराधना प्रेस ब्रह्मनगर, कानपुर.

(5) काव्यशास्त्र – डॉ. कृष्णदत्त अवस्थी / यतींद्रनाथ तिवारी, प्रत्युष प्रकाशन, रामबाग, कानपुर.

(6) हिंदी भाषा तथा साहित्यशास्त्र – डॉ. माधव सोनटक्के, छाया पब्लिशिंग हाऊस, औरंगाबाद.

(7) काव्यांगदर्शन – डॉ. विजय बहादुर अवस्थी, दिल्ली पुस्तक सदन, दिल्ली–7

(8) काव्यालोचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री.

(9) यात्रा–साहित्य : परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य – डॉ. प्रकाश मोकाशी, विश्वविद्यालय पुस्तक हाऊस, 79, चौडा रास्ता, जयपुर.

(10) साहित्य विवेचन – सुमन मल्लिक, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली.

(11) शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (भाग 1 और 2) – डॉ. गोविंद त्रिगुणायन, एस.चंद ॲण्ड कंपनी लि. रामनगर, नई दिल्ली–55.

(12) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यसिद्धांत – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

(13) हिंदी गजल – उद्भव और विकास – डॉ. रोहिताश्व अस्थाना, सामाजिक प्रकाशन, 3543 जटवाडा, दरियागंज, नई दिल्ली–2.

(14) समीक्षाशास्त्र के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदण्ड – डॉ. रामसागर त्रिपाठी/ डॉ. श्याम मिश्र – अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली–6.

(15) हिंदी का स्वातंत्र्यप्राप्त्युत्तर यात्रा साहित्य .– डॉ इरेश स्वामी, अन्नपुर्णा प्रकाशन, कानपुर

(16) हिंदी का यात्रा साहित्य : डॉ रेखा प्रवीण उप्रेती , हिंदी बुक सेंटर नई, दिल्ली.

(17) अलंकार–पारिजात–नरोत्तमदास स्वामी, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा–282002

.

**प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन** अंक

प्रश्न 1. (अ) पूरे पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न (10)

(आ) एक वाक्य में उत्तर लिखिए (10)

(पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित दस प्रश्न)

प्रश्न 2. 'छ' विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो) (16)

प्रश्न 3. 'ज' विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न

(अ) **अलंकार –**(तीनः में से दो) ( 8)

(आ) **छंद –**(तीनः में से दो) ( 8)

प्रश्न 4. 'ख', तथा 'ङ' विभाग पर टिप्पणियाँ (छः में से चार ) (16)

प्रश्न 5. 'घ' तथा 'च' विभाग पर निबंधात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (16)

प्रश्न 6. 'क' तथा 'ग' विभाग पर निबंधात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (16)

कुल अंक 100

## हिंदी स्पेशल ( प्रश्नपत्र क्र. 6 )

## हिंदी साहित्य का इतिहास ( सन् 2000 तक )

- **उद्‌देश्य** –

(1) हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचयात्मक अध्ययन ।

(2) हिंदी साहित्य के इतिहास की कालजयी रचना तथा रचनाकारों का सामान्य परिचय ।

(3) हिंदी साहित्य के इतिहास के कालानुरूप विकास का अद्यतन अध्ययन ।

(4) हिंदी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन ।

- **अध्ययनार्थ विषय** –

**(अ) पृष्ठभूमि – हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास**

हिंदी साहित्य का कालविभाजन

आदिकाल :–

आदिकालीन सामाजिक तथा राजनीतिक परिस्थितियाँ, आदिकाल का नामकरण,
आदिकालीन काव्य की विशेषताएँ ।

प्रतिनिधि रचनाएँ एवम् रचनाकार का परिचय –

रचनाएँ :– पृथ्वीराज रासो, बीसलदेव रासो ।

रचनाकार :– अमीर खुसरो, विद्यापति ।

**(आ) भक्तिकाल :–**

भक्तिकालीन सामाजिक तथा राजनीतिक परिस्थितियाँ ।

भक्तिकाव्यधाराएँ –

निर्गुण भक्तिधारा :– विशेषताएँ, कबीर : व्यक्तित्त्व एवम् साहित्य का परिचय ।

जायसीः व्यक्तित्त्व एवम् साहित्य का परिचय ।

सगुण भक्तिधारा :– विशेषताएँ, सूरदास : व्यक्तित्त्व एवम् साहित्य का परिचय ।

तुलसीदास : व्यक्तित्त्व एवम् साहित्य का परिचय ।

अन्य प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय :–

नानक, मीरा, रहीम, रसखान ।

**(इ) रीतिकाल :–**

**रीतिकालीन** सामाजिक एवम् राजनीतिक परिस्थितियाँ, रीतिकाल का नामकरण,
रीतिकालीन काव्य की विशेषताएँ ।

प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय –

केशवदास, बिहारी, भूषण, घनानंद ।

**(ई) आधुनिक काल :–**

आधुनिककालीन सामाजिक एवम् राजनीतिक परिस्थितियाँ ।

(1) गद्य की विभिन्न विधाओं का विकास :–

उपन्यास, नाटक, निबंध, यात्रा साहित्य ।

(2) काव्य की विभिन्न धाराओं की विशेषताएँ :–

छायावाद, हालावाद ,प्रगतिवाद , समकालीन कविता ।

**सहायक पुस्तकें –**


1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन खण्डेलवाल
4. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – राजनाथ शर्मा
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
8. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
9. हिंदी साहित्य कोष – डॉ. धीरेंद्र वर्मा, खंड I, II
10. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
11. हिंदी साहित्य का सही इतिहास – डॉ. चन्द्रभानु सोनवणे 'बेदालंकार'
12. समकालीन कविता : संवेदना और अभिव्यक्ति – डॉ. रतनकुमार पाण्डेय, खंडाय बुक सेंटर, वाराणसी.
13. आधुनिक हिंदी – उर्दू काव्य का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. रुखसाना शेख मुल्ला, विनय प्रकाशन, कानपुर.
14. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष – डॉ. रतनकुमार पाण्डेय
15. यात्रा साहित्य : परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य – डॉ. प्रकाश मोकाशी, विश्वविद्यालय पुस्तक हाऊस, जयपुर.
16. हिंदी का आधुनिक यात्रा साहित्य : डॉ प्रतापपाल शर्मा, अमर प्रकाशन, मथुरा.
17. साठोत्तरी हिंदी और मराठी के सामाजिक उपन्यासो में वर्ग चित्रण : डॉ.यादवराव धुमाळ


**प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन** अंक

प्रश्न 1. (अ) पूरे पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी – प्रश्न 10 (10)

(आ) पूरे पाठ्यक्रम पर–एक वाक्य में उत्तर दीजिए–प्रश्न 10 (10)

प्रश्न 2. लघुत्तरी प्रश्न – आदिकाल और भक्तिकाल पर (तीन में से दो ) (16)

(आदिकाल पर दो प्रश्न और भक्तिकाल पर एक प्रश्न पूछा जाए)

प्रश्न 3. लघुत्तरी प्रश्न – भक्तिकाल पर (तीन में से दो) (16)

प्रश्न 4. टिप्पणियाँ – रीतिकाल पर (छः में से चार) (16)

प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न – (अंतर्गत विकल्प के साथ)

आधुनिक काल गद्य पर आधारित । (16)

प्रश्न 6. दीर्घोत्तरी प्रश्न –(अंतर्गत विकल्प के साथ)

आधुनिक काल पद्य पर आधारित । (16)

कुल अंक 100

## हिंदी स्पेशल ( प्रश्नपत्र क्र. 7 )
## प्रयोजनमूलक हिंदी

- **<u>उद्देश्य</u> –**

(1) अनुवाद के स्वरूप से छात्रों को अवगत कराना ।

(2) आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग एवं संभावनाओं से छात्रों को परिचित कराना ।

(3) हिंदी के प्रयोग के प्रति रूचि जगाकर उनमें पत्राचार संबंधी क्षमता का विकास कराना ।

(4) व्यावहारिक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों से छात्रों को परिचित कराना ।

(5) राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के विकास से छात्रों को अवगत कराना ।

**अध्ययनार्थ विषय –**

**(क) अनुवाद –**

(1) अनुवाद का अर्थ और परिभाषा ।

(2) अनुवाद के प्रकार । ( विषय क्षेत्र के आधार पर , प्रकृति के आधार पर )

(3) अनुवादक के गुण ।

**(ख) जनसंचार माध्यम – सामान्य परिचय –**

(1) जनसंचार माध्यम : अर्थ, स्वरूप और प्रकार ।

(अ) मुद्रित माध्यम – विज्ञापन लेखन, दै. समाचार पत्र और पत्र–पत्रिकाएँ ।

(ब) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम – रेडियो , दूरदर्शन और संगणक ।(तकनीकी जानकारी अपेक्षित नहीं है ।)

(2) वृत्तांत लेखन – महाविद्यालयीन एवं सामाजिक समारोह तथा प्राकृतिक आपदाओं एवं दुर्घटनाओं का वृत्तांत लेखन । (प्रश्नपत्र में दो विषयों का वृत्तांत लेखन अपेक्षित है ।)

**(ग) पत्राचार –**

(अ) कार्यालयी पत्राचार ।

(1) नौकरी के लिए आवेदन पत्र ।

(2) पदाधिकारियों के नाम पत्र ।

(3) अधिसूचना ।

(4) परिपत्र ।

(5) कार्यालय आदेश ।

(6) कार्यालय ज्ञापन ।

(ब) वाणिज्यिक पत्राचार ।

(1) पूछताछ पत्र ।

(2) संदर्भ के पत्र ।

(3) क्रयादेश पत्र ।

(4) भुगतान पत्र ।

(5) सूचनादायी पत्र ।

(6) शिकायती पत्र ।

**(घ) संदर्भ स्रोतों का परिचय –**

1. शब्दकोश
2. विश्वकोश
3. पर्यायवाची कोश
4. मुहावरे और कहावतें कोश
5. राजभाषा और राष्ट्रभाषा का परिचय
6. टेलिफोन
7. इंटरनेट
8. बहुमाध्यम (मल्टीमीडिया)

**(च) पारिभाषिक शब्दावली –**

दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों एवं पदनामों के हिंदी पर्यायवाची रूप (100 शब्द) परिशिष्ट – 1 में दिए हुए ।

**प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन** अंक

प्रश्न 1. (अ) 'च' विभाग पर वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10 (10)

(आ) पूरे पाठ्यक्रम पर एक वाक्य में उत्तर के प्रश्न 10 (10)

प्रश्न 2. 'ग' (अ) विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (पत्रलेखन) –( तीन में से दो ) (16)

प्रश्न 3. 'ग' (ब) विभाग पर लघुत्तरी प्रश्न (पत्रलेखन)– (तीन में से दो ) (16)

प्रश्न 4. 'घ' विभाग पर टिप्पणियाँ – (छः में से चार ) (16)

प्रश्न 5. 'क' विभाग पर निबंधात्मक प्रश्न – (अंतर्गत विकल्प के साथ) (16)

प्रश्न 6. 'ख' विभाग पर निबंधात्मक प्रश्न – (अंतर्गत विकल्प के साथ) (16)

कुल अंक 100

**संदर्भ ग्रंथ सूची –**


1. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी – किताबघर, दिल्ली.
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. सुरेशकुमार – वाणी प्रकाशन, दिल्ली.
3. अनुवाद चिंतन – डॉ. अर्जुन चव्हाण – अमन प्रकाशन, कानपुर.
4. मीडिया में कैरियर – पी. के. आर्य – ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली–110002.
5. जनसंचार – कल, आज और कल – चंद्रकांत सरदाना/कृशि. मेहता – ज्ञानगंगा, चावडी बाज़ार, दिल्ली.
6. पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ. रमेशचन्द्र त्रिपाठी – नमन प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली–110002.
7. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप एवं सभावनाएँ – डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
8. पत्रकारिता : विविध विधाएँ – डॉ. राजकुमारी रानी – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद–211003.
9. आधुनिक जन–संचार और हिंदी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली.
10. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
11. प्रयोजनमूलक हिंदी – विविध परिदृश्य – डॉ. रमेशचन्द्र त्रिपाठी/डॉ. पवन अग्रवाल – अलका प्रकाशन, कानपुर.
12. व्यावसायिक हिंदी – श्री. दुबे और प्रभाकर गुप्ता – नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली.
13. हिंदी और उसका व्यवहार – डॉ. व्ही. के. मोरे – फडके प्रकशन, कोल्हापुर.

14. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के, छाया प्रकाशन, औरंगाबाद.
15. व्यावसायिक संप्रेषण – डॉ. अनूपचन्द्र पु. भायाणी – राजपाल ॲन्ड सन्स, दिल्ली.
16. आधिकारिक टिप्पण एवं मसौदा लेखन – मोतीलाल चतुर्वेदी – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा.
17. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. के. पी. शहा – फडके प्रकाशन, कोल्हापुर.

## हिंदी स्पेशल ( प्रश्नपत्र क्र. 8 )

## भाषा विज्ञान

- **<u>उद्देश्य</u> –**

(1) भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना।
(2) भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय कराना ।
(3) हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास का परिचय कराना ।
(4) भाषा की शुद्धता के प्रति छात्रों को जागृत कराना ।
(5) मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्रों को परिचित कराना ।

**अध्ययनार्थ विषय –**

**(क) भाषा : स्वरूप एवं विविध रूप ।**

(1) भाषा की परिभाषाएँ।
(2) भाषा की विशेषताएँ।
(3) भाषा की उत्पत्ति एवं तत्संबंधी विविध वाद।
(4) भाषा की परिवर्तनशीलता के कारण।
(5) भाषा के विविध रूप– बोली, बोलियों के बनने के कारण, बोलियों के महत्त्व पाकर भाषा बनने के कारण ।
– बोली और भाषा में अंतर ।
– परिनिष्ठित भाषा।

**(ख) भाषाविज्ञान : स्वरूप एवं विविध अंग।**

(1) भाषाविज्ञान की परिभाषाएँ।
(2) भाषाविज्ञान के अध्ययन का महत्त्व।
(3) भाषाविज्ञान की वैज्ञानिकता।
(4) भाषाविज्ञान के प्रधान अंगों का सामान्य परिचय।
(5) भाषाविज्ञान का साहित्य, व्याकरण, समाजविज्ञान, मनोविज्ञान, इतिहास और भूगोल से संबंध।

**(ग) भाषा और लिपि।**

(1) हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति।
(2) हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।
(3) हिंदी का शब्दसमूह।
(4) लिपि–विकास का सामान्य परिचय।
(5) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ।

**(घ) व्याकरण।**

(1) उद्देश्य और क्रिया का अन्वय।

(2) कर्म और क्रिया का अन्वय ।

(3) पदक्रम।

(4) विरामचिह्न।

(5) मानक वर्तनी के नियम ।

**प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन** अंक

प्रश्न 1. (अ) पूरे पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी दस प्रश्न । (10)

(आ) पूरे पाठ्यक्रम पर वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न । (10)

प्रश्न 2. 'ग' विभाग – लघुत्तरी प्रश्न – (तीन में से दो ) । (16)

प्रश्न 3. 'घ' विभाग – लघुत्तरी प्रश्न –( तीन में से दो ) । (16)

प्रश्न 4. 'क', 'ख' और 'ग' विभाग पर टिप्पणियाँ – (छः में से चार )। (16)

प्रश्न 5. 'क' विभाग पर निबंधात्मक प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) । (16)

प्रश्न 6. 'ख' विभाग पर निबंधात्मक प्रश्न – (अंतर्गत विकल्प के साथ) । (16)

कुल अंक 100

**संदर्भ ग्रंथ सूची –**


1. भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी ।
2. भाषाविज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा ।
3. भाषाविज्ञान के तत्त्व– डॉ. राजनारायण मौर्य ।
4. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. सुधाकर कलावडे ।
5. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा – डॉ. द्वारकाप्रसाद सक्सेना ।
6. संक्षिप्त भाषाविज्ञान – डॉ. सुरेशचंद्र त्रिवेदी ।
7. हिंदी : उद्भव, विकास और रूप – डॉ. हरदेव बाहरी ।
8. हिंदी भाषा – डॉ. धीरेंद्र वर्मा ।
9. हिंदी भाषा की विकास यात्रा – डॉ. रामप्रकाश ।
10. हिंदी भाषा, व्याकरण और लिपि विज्ञान – डॉ. हरदान हर्ष ।
11. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु ।
12. हिंदी व्याकरण एवं रचना – कृ. ज. वेदपाठक ।
13. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ– डॉ. नरेश मिश्र ।
14. हिंदी की मानक वर्तनी – कैलासचंद्र भाटिया, रचना भाटिया ।
15. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण – डॉ. रमेशचंद्र मेहरोत्रा ।

## हिंदी स्पेशल ( प्रश्नपत्र क्र. 7 )
## प्रयोजनमूलक हिंदी
## परिशिष्ट

**पारिभाषिक शब्दावली –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(अ)** | **जनसंचार माध्यम संबंधी शब्द –** | | |
| 1. | Announcer | : | निवेदक / उद्घोषक |
| 2. | Artistic | : | कलात्मक |
| 3. | Audio-Visual | : | दृक्–श्राव्य |
| 4. | Banner | : | पताका |
| 5. | Biographer | : | जीवनीकार |
| 6. | Biweekly | : | अर्ध साप्ताहिक |
| 7. | Bulletin | : | विज्ञप्ति |
| 8. | Catalogue | : | सूची |
| 9. | Calligraphy | : | सुलेखन |
| 10. | Caption | : | शीर्षक / चित्र परिचय |
| 11. | Cartoonist | : | व्यंग्य चित्रकार |
| 12. | Choreography | : | नृत्य रचना |
| 13. | Columnist | : | स्तंभलेखक |
| 14. | Commentator | : | समालोचक |
| 15. | Compositer | : | अक्षर योजक |
| 16. | Communication | : | संचार |
| 17. | Creation | : | सृजन |
| 18. | Correspondent | : | संवाददाता |
| 19. | Information Technology | : | सूचना तंत्रज्ञान |
| 20. | Interview | : | साक्षात्कार |
| 21. | Interruption | : | रुकावट |
| 22. | Journalist | : | पत्रकार |
| 23. | Magazine | : | पत्रिका |
| 24. | Source Language | : | स्रोत भाषा |
| 25. | Transliteration | : | लिप्यंतरण |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(ब)** | **शिक्षा, सभा और संमेलन संबंधी शब्द –** | | |
| 1. | Abstract | : | सार / संक्षेप |
| 2. | Academic goal | : | शैक्षिक ध्येय |
| 3. | Address | : | अभिभाषण / संबोधन |
| 4. | Adult education | : | प्रौढ शिक्षा |
| 5. | Agenda | : | कार्यसूची |
| 6. | Anniversary | : | जयंती / वर्षगाँठ |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7. | Anthology | : | संकलन / संग्रह |
| 8. | Appraisal | : | मूल्यांकन |
| 9. | Attestation | : | साक्षांकन / अनुप्रमाणन |
| 10. | Audiance | : | श्रोतागण |
| 11. | Autonomous | : | स्वायत्त |
| 12. | Bibliography | : | संदर्भ ग्रंथ सूची |
| 13. | Bachelor | : | स्नातक |
| 14. | Closing Speech | : | समापन भाषण |
| 15. | Conference Hall | : | सम्मेलन भवन |
| 16. | Conclusion | : | समापन |
| 17. | Document | : | दस्तावेज |
| 18. | Draft | : | प्रारूप / मसौदा |
| 19. | Guardian | : | अभिभावक |
| 20. | Humanity | : | मानविकी |
| 21. | Hypothesis | : | परिकल्पना |
| 22. | Inauguration | : | उद्घाटन |
| 23. | Informal | : | अनौपचारिक |
| 24. | Symposium | : | संगोष्ठि |
| 25. | Viva-Voce | : | मौखिक परीक्षा |

| **(क)** | **कार्यालय तथा बैंक संबंधी शब्द –** | | |
|---|---|---|---|
| 1. | Acknowledgment | : | रसीद |
| 2. | Accidental Profit | : | आकस्मिक लाभ |
| 3. | Account | : | खाता |
| 4. | Act | : | अधिनियम |
| 5. | Acceptance | : | स्वीकृति |
| 6. | Advances | : | अग्रीम राशि |
| 7. | Ad hoc | : | तदर्थ |
| 8. | Article | : | अनुच्छेद |
| 9. | Audit | : | लेखा परीक्षण |
| 10. | Bridge Loan | : | पूरक ऋण |
| 11. | Boom | : | तेजी |
| 12. | Cash Credit | : | नकदी ऋण |
| 13. | Constitution | : | संविधान |
| 14. | Counter Foil | : | आधी रसीद |
| 15. | Envelope | : | लिफाफा |
| 16. | Eraser | : | रबर |
| 17. | Ex-gratia | : | अनुग्रहपूर्वक |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 18. | Growth rate | : | वृद्धि दर |
| 19. | Ledger | : | लेखा वही |
| 20. | Modus-Operandi | : | कार्यप्रणाली |
| 21. | Promotion | : | पदोन्नति |
| 22. | Stamp-Seal | : | मुहर |
| 23. | Status-quo | : | यथास्थिति |
| 24. | Tentative | : | अंतरिम |
| 25. | Top-priority | : | सर्वोच्च प्राथमिकता |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **(ड)** | **पदनाम संबंधी शब्द –** | | |
| 1. | Accountant | : | लेखाकार |
| 2. | Adviser | : | सलाहकार |
| 3. | Advocate | : | अधिवक्ता |
| 4. | Cashier | : | रोकडिया/ खजांची |
| 5. | Custodian | : | अभिरक्षक |
| 6. | Councillor | : | पार्षद |
| 7. | Director | : | निदेशक |
| 8. | Executive Engineer | : | कार्यकारी अभियंता |
| 9. | Foreign Secretary | : | विदेश सचिव |
| 10. | Governer | : | राज्यपाल |
| 11. | His Magesty | : | महामहिम |
| 12. | Investigator | : | अन्वेषक |
| 13. | Manager | : | प्रबंधक |
| 14. | Member of Legislative Assembly | : | विधायक/ विधानसभा सदस्य |
| 15. | Member of Parliament | : | सांसद/ संसद सदस्य |
| 16. | President | : | राष्ट्रपति |
| 17. | Prime Minister | : | प्रधान मंत्री |
| 18. | Registrar | : | कुलसचिव |
| 19. | Speaker | : | सभापति |
| 20. | Stenographer | : | आशुलिपिक |
| 21. | Superintendent | : | अधीक्षक |
| 22. | Treasurer | : | कोषाध्यक्ष |
| 23. | Under Secretary | : | अवर सचिव |
| 24. | Vice-Chancellor | : | कुलपति |
| 25. | Warden | : | रक्षक |

# B.A.III Hindi Special Equivalences of the revised syllabus introduced from June 2009 onwards

| Sr No | Old Syllabus | Sr No | New Syllabus |
|---|---|---|---|
| 1 | प्रश्नपत्र क्र. 4 विशेष लेखक **(Special Author) :** सर्वेश्वर दयाल सक्सेना | 1 | प्रश्नपत्र क्र. **4** विधा विशेष का अध्ययन |
| 2 | प्रश्नपत्र क्र. 5 साहित्य सिद्धांत और समालोचना | 2 | प्रश्नपत्र क्र. 5 साहित्य सिद्धांत और समालोचना |
| 3 | प्रश्नपत्र क्र. 6 हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 2000 तक) | 3 | प्रश्नपत्रा क्र. 6 हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 2000 तक) |
| 4 | प्रश्नपत्र क्र. 7 प्रयोजनमूलक हिंदी | 4 | प्रश्नपत्र क्र. 7 प्रयोजनमूलक हिंदी |
| 5 | प्रश्नपत्र क्र. 8 भाषा विज्ञान | 5 | प्रश्नपत्र क्र. 8 भाषा विज्ञान |